

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
डेरी विकास विभाग,
मंगलपहाव, हल्द्वानी (नैनीताल)।

प्रशुपालन-2

देहरादून दिनांक 19 नवम्बर, 2009

विषय- वित्तीय वर्ष 2009-10 में डेरी विकास विभाग को डेरी विकास योजना (एस0सी0एस0पी0) में आयोजनागत पक्ष की राज्य योजना में वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1587-88/लेखा-प्रस्ताव आयो0एससीएसपी/2009-10 दिनांक 10-09-2009 के संदर्भ में एवं प्रमुख सचिव, वित्त के शासनादेश संख्या-515/XXVII(1)/2009, दिनांक 28-07-2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुसूचित जाति के कल्याणार्थ डेरी विकास विभाग को निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निम्न मदों में कुल धनराशि ₹0 60-10 लाख (₹0 साठ लाख दस हजार मात्र) आपके निर्वहन पर रखते हुये इस आहरण कर व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख ₹0 में)

| क्रमांक | मद का नाम | धनराशि |
|---------|--------------------------------------|--------|
| 1. | सिविल कार्य | 24.79 |
| 2. | प्लाण्ट मशीनरीज | 0.91 |
| 3. | दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थ विपणन नेटवर्क | 10.18 |
| 4. | यातायात एवं प्रबंधकीय अनुदान | 24.22 |
| योग- | | 60.10 |

उपरोक्त के अतिरिक्त क्रमांक-01 एवं 02 पर अंकित मदों की प्रशासनिक स्वीकृति भी प्रदान की जाती है।

- 1- इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत एवं अधिक व्यय न किया जाय साथ ही इस धनराशि का एक मुश्त आहरण न किया जाय।
- 2- सभी कार्यक्रमों का जनपदवार वार्षिक/मासिक लक्ष्यों का निर्धारण भी आपके द्वारा तत्काल कर दिया जाय तथा फील्ड स्तर पर भी निर्धारित किये गये लक्ष्यों की सूचना उपलब्ध करा दी जाय।
- 3- स्थल का भूगर्भीय सर्वेक्षण करा लिया जाये।
- 4- उक्त धनराशि का व्यय शासन के वर्तमान मितव्ययता संबंधी आदेशों व वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों के अन्तर्गत ही किया जाय।
- 5- स्वीकृत धनराशि का उपयोग सर्वप्रथम 75% से अधिक पूर्व योजनाओं के लिये किया जाय।
- 6- स्वीकृत धनराशि का उपयोग दिनांक 31-3-2010 तक उपयोग कर प्रमाणक शासन को उपलब्ध कराया जाय।

C

- 7- स्वीकृत धनराशि का उपयोग निश्चित रूप से उन्हीं मदों पर किया जाय जिसके लिए धनराशि प्रदान की जा रही है। यदि इसका उपयोग अन्यत्र अथवा किसी अन्य मद से किया जाता है तो संबंधित अधिकारी इसके लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे तथा अप्राधिकृत व्यय की वसूली की जायेगी।
- 8- बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन व्यय की सूचना कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 05 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- 9- स्वीकृति की जा रही धनराशि के सापेक्ष कार्य उत्तराखण्ड शासन द्वारा अनुमोदित निर्माण एजेंसी द्वारा करवाया जायेगा। साथ ही राशि का तत्काल आहरण कर संबंधित जनपदीय दुग्ध संघों को उपलब्ध कराया जाय।

2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2404-डेरी विकास-आयोजनागत-102-डेरी विकास परियोजनाये-02-अनुसूचित जातियों के लिये स्पेशल कम्पौनेन्ट प्लान-0201-डेरी विकास योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/सज सहायता के नामें डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-23/वि0अनु0-4/2009, दिनांक 13 नवम्बर 2009 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरी

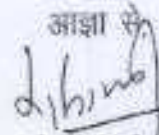
भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव।

संख्या-1655 (1)/XV-2/1(08)06-तदुदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड, औबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2-मण्डलायुक्त, कुमायूँ एवं पौड़ी गढ़वाल।
- 3-स्टाफ आफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 4-स्टाफ आफिसर-अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन।
- 5-वित्त अनुभाग-04/नियोजन अनुभाग/समाज कल्याण प्रकोष्ठ।
- 6-वरिष्ठ कोषाधिकारी, हल्द्वानी।
- 7-निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8-मार्ड फाइल।

आज्ञा से

(जी0बी0 ओली)
संयुक्त सचिव।